वो काला एक बांसुरी वाल सुध बिसरा गया मोरी रे

वो काला एक बांसुरी वाला,
सुध बिसरा गया मोरी रे ।
माखन चोर वो नंदकिशोर जो,
कर गयो मन की चोरी रे ॥

पनघट पे मोरी बईया मरोड़ी,
मैं बोली तो मेरी मटकी फोड़ी ।
पईया परूँ करूँ बीनता मैं पर,
माने ना वो एक मोरे रे ॥

छुप गयो फिर एक तान सुना के,
कहाँ गयो एक बाण चला के ।
गोकुल ढूंढा मैंने मथुरी ढूंढी,
कोई नगरिया ना छोड़ी रे ॥

स्वर : अनूप जलोटा

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/273/title/vo-kaala-ek-baansuri-wala-sudh-bisra-gaya-mori-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |